# राष्ट्रीय शिक्षा नीति में स्नातक स्तर पर शोधकार्य का विकल्प देना एक सराहनीय पहलःप्रो. अमित बर्धन

नई दिल्ली ( **संस्कार न्यूज** ) मैत्रेयी महाविद्यालय के बी.ए. प्रोग्राम विभाग के शैक्षणिक वार्षिकोत्सव 'प्रवाह' के अन्तर्गत राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित स्नातक पाठ्यक्रम विषय पर एक अति विशिष्ट व्याख्यान सत्र के साथ विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का प्रारम्भ भारतीय परम्परा के अनुसार मंगलाचरण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

इसमें बतौर मुख्य अतिथि दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण के संयुक्त अधिष्ठाता प्रो. अमित बर्धन और विशिष्ट वक्ता के रूप में छात्र कल्याण उप-अधिष्ठाता डॉ. प्रमोद कुमार सिंह सहित बड़ी संख्या में अध्यापक एवं छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की। सर्वप्रथम बी.ए. प्रोग्राम विभाग के अध्यक्ष डॉ. धर्मेन्द्र कुमार ने सभी गणमान्यजनों, विद्वज्जनों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया। तदुपरान्त डॉ. प्रमोद कुमार सिंह ने राष्ट्रीय शिक्षा नीतिङ्क 2020 के प्रमुख प्रावधानों के आलोक में चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम की प्रमुख विशिष्टताओं एवं पाठ्यक्रम की रूपरेखा पर विस्तार के साथ प्रकाश डाला।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण के संयुक्त अधिष्ठाता प्रो. अमित बर्धन का व्याख्यान रहा, जिसमें उन्होंने विद्यार्थियों के साथ संवाद एवं अतीव रोचक शैली में यथोचित उद्धरणों के आलोक में नयी शिक्षा नीति में सन्निहित एवं दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा स्वीकृत स्नातक पाठ्यक्रम के अन्तिम वर्ष के छात्रों हेतु शोधकार्य का विकल्प दिए जाने पर अपनी बात रखी। इसमें उन्होंने बताया कि निःसन्देह यह एक सराहनीय पहल है, जिससे स्नातक स्तर के विद्यार्थियों में भी शोधक्षमता का विकास होगा। साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जो विद्यार्थी स्नातक पाठ्यक्रम के दौरान शोधकार्य का विकल्प लेंगे, वे सीधे पीएचडी भी कर सकेंगे, यद्यपि उनके पास एम.ए. करने का विकल्प भी अन्य विद्यार्थियों की तरह उपलब्ध रहेगा। इस अवसर पर अनेकों प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया, जिसमें डॉ. हेमलता रानी, डॉ. नुपूर चावला इत्यादि शिक्षकाओं निर्णायक की महती भूमिका अदा की। यहाँ यह भी बताते चलें कि यह कार्यक्रम अत्यन्त ज्ञानवर्धक एवं लोकप्रिय रहा, जिसमें डॉ. नीलिमा ओहरी, डॉ. रिम्पी, डॉ. नेहा बघेल सहित कई शिक्षकों एवं मैत्रेयी महाविद्यालय के साथ विभिन्न महाविद्यालयों से आगत सवा दो सौ से अधिक छात्र-छात्राओं ने बड़ी ही तन्मयता एवं रुचि के साथ सम्मिलित हुए।

# राष्ट्रीय शिक्षानीति में स्नातक स्तर पर शोधकार्य का विकल्प देना एक सराहनीय पहल है - प्रो. अमित बर्धन

(आधुनिक राजस्थान)कृष्ण चतुर्वेदी/दिल्ली। मैत्रेयी महाविद्यालय (दिल्ली विश्वविद्यालय) के बी.ए. प्रोग्राम विभाग के शैक्षणिक वार्षिकोत्सव 'प्रवाह' के अन्तर्गत राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित स्नातक पाठ्यक्रम विषय पर एक अति विशिष्ट व्याख्यान सत्र के साथ विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का प्रारम्भ भारतीय परम्परा के अनुसार मंगलाचरण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इसमें बतौर मुख्य अतिथि दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण के संयुक्त अधिष्ठाता प्रो. अमित बर्धन और विशिष्ट वक्ता के रूप में छात्र कल्याण उप-अधिष्ठाता डॉ. प्रमोद कुमार सिंह सहित बड़ी संख्या में अध्यापक एवं छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की। सर्वप्रथम बी.ए. प्रोग्राम विभाग के अध्यक्ष डॉ. धर्मेन्द्र कुमार ने सभी गणमान्यजनों, विद्वज्जनों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया। तदुपरान्त डॉ. प्रमोद कुमार सिंह ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति2020 के प्रमुख प्रावधानों के आलोक में चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम की प्रमुख विशिष्टताओं एवं पाठ्यक्रम की रूपरेखा पर विस्तार के साथ प्रकाश डाला। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण के संयुक्त अधिष्ठाता प्रो. अमित बर्धन का व्याख्यान रहा, जिसमें उन्होंने विद्यार्थियों के साथ संवाद एवं अतीव रोचक शैली में यथोचित उद्धरणों के आलोक में नयी शिक्षा नीति में सन्निहित एवं दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा स्वीकृत स्नातक पाठ्यक्रम के अन्तिम वर्ष के छात्रों हेतु शोधकार्य का विकल्प दिए जाने पर अपनी बात रखी। इसमें उन्होंने बताया कि निःसन्देह यह एक सराहनीय पहल है, जिससे स्नातक स्तर के विद्यार्थियों में भी शोधक्षमता का विकास होगा। साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जो विद्यार्थी स्नातक पाठ्यक्रम के दौरान शोधकार्य का विकल्प लेंगे, वे सीधे पीएचडी भी कर सकेंगे, यद्यपि उनके पास एम.ए. करने का विकल्प भी अन्य विद्यार्थियों की तरह उपलब्ध रहेगा। इस अवसर पर अनेकों प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया, जिसमें डॉ. हेमलता रानी, डॉ. नुपूर चावला इत्यादि शिक्षकाओं निर्णायक की महती भूमिका अदा की। यहाँ यह भी बताते चलें कि यह कार्यक्रम अत्यन्त ज्ञानवर्धक एवं लोकप्रिय रहा, जिसमें डॉ. नीलिमा ओहरी, डॉ. रिम्पी, डॉ. नेहा बघेल सहित कई शिक्षकों एवं मैत्रेयी महाविद्यालय के साथ विभिन्न महाविद्यालयों से आगत सवा दो सौ से अधिक छात्र-छात्राओं ने बड़ी ही तन्मयता एवं रुचि के साथ सम्मिलित हुए।

# राष्ट्रीय शिक्षानीति में स्नातक स्तर पर शोधकार्य का विकल्प देना एक सराहनीय पहल है : प्रो. अमित बर्धन

## अति विशिष्ट व्याख्यान सत्र के साथ आयोजित हुई विविध प्रतियोगिताएं

नई दिल्ली। मैत्रेयी महाविद्यालय के बीए प्रोग्राम विभाग के शैक्षणिक वार्षिकोत्सव 'प्रवाह' के तहत राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित स्नातक पाठ्यक्रम विषय पर एक अति विशिष्ट व्याख्यान सत्र के साथ विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ भारतीय परंपरा के अनुसार मंगलाचरण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इसमें बतौर मुख्य अतिथि दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण के संयुक्त अधिष्ठाता प्रो. अमित बर्धन और विशिष्ट वक्ता के रूप में छात्र कल्याण उप–अधिष्ठाता डॉ. प्रमोद कुमार सिंह सहित बड़ी संख्या में अध्यापक एवं छात्र–छात्राओं ने सहभागिता की। सर्वप्रथम बीए प्रोग्राम विभाग के अध्यक्ष डॉ. धर्मेन्द्र कुमार ने सभी गणमान्यजनों, विद्वज्जनों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया। इसके बाद डॉ. प्रमोद कुमार सिंह ने राष्ट्रीय शिक्षा नीतिद्र 2020 के प्रमुख प्रावधानों के आलोक में चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम की प्रमुख विशिष्टताओं एवं पाठ्यक्रम की रूपरेखा पर विस्तार के साथ प्रकाश डाला। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण के संयुक्त अधिष्ठाता प्रो. अमित बर्धन का व्याख्यान रहा, जिसमें उन्होंने विद्यार्थियों के साथ संवाद एवं अतीव रोचक शैली में यथोचित उद्धरणों के आलोक में नयी शिक्षा नीति में सन्निहित एवं दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा स्वीकृत स्नातक पाठ्यक्रम के अंतिम वर्ष के छात्रों हेतु शोधकार्य का विकल्प दिए जाने पर अपनी बात रखी। इसमें उन्होंने बताया कि निःसंदेह यह एक सराहनीय पहल है, जिससे स्नातक स्तर के विद्यार्थियों में भी शोधक्षमता का विकास होगा।

साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जो विद्यार्थी स्नातक पाठ्यक्रम के दौरान शोधकार्य का विकल्प लेंगे, वे सीधे पीएचडी भी कर सकेंगे, यद्यपि उनके पास एमए करने का विकल्प भी अन्य विद्यार्थियों की तरह उपलब्ध रहेगा। इस अवसर पर अनेकों प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया, जिसमें डॉ. हेमलता रानी, डॉ. नुपूर चावला इत्यादि शिक्षकाओं ने निर्णायक की महती भूमिका अदा की। इस ज्ञानवर्धक एवं लोकप्रिय कार्यक्रम में डॉ. नीलिमा ओहरी, डॉ. रिम्पी, डॉ. नेहा बघेल सहित कई शिक्षकों एवं मैत्रेयी महाविद्यालय के साथ विभिन्न महाविद्यालयों से आगत सवा दो सौ से अधिक छात्र–छात्राओं ने बड़ी ही तन्मयता एवं रुचि के साथ शामिल हुए।